# 7

# रोकड़ बही

एक व्यक्ति ने अपनी उच्चतर माध्यमिक परीक्षा पास करने के पश्चात किराने की दुकान प्रारम्भ की। लेन देनों की संख्या सीमित होने के कारण वह इनका लेखा करने के लिए केवल एक रजिस्टर रखता है जो कि रोजनामचा है। जैसे-जैसे व्यापार उन्नति करता है, व्यापारिक लेन देनों की संख्या, जिसमें रोकड़ के लेन देन हैं, अधिक होगी। सभी लेनदेनों का लेखा इकट्ठा करके केवल रोजनामचे में करना बहुत सुविधाजनक नहीं होगा। इनको कई बहियों में विभाजित करने की आवश्यकता होगी। यहाँ पर बहुत प्रकार की बहियाँ है जो बनाई जाती है जहाँ पर इन लेनदेनों का लेखा उनकी प्रकृति के अनुसार विभिन्न बहियों में लिखा जाता है जैसे कि रोकड़ लेनदेनों के लिए रोकड़ बही, उधार विक्रय के लिए विक्रय बही; उधार क्रय के लिए क्रय बही। इन बहियों में से रोकड़ बही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि यह व्यवसाय की रोकड़ मदों का अधिक संख्या में लेखा रखती है। इस पाठ में आप रोकड़ बही का अर्थ और तैयार करने के संबंध में पढ़ेंगे।

## उद्देश्य

*इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप :*

- रोकड़ वही का अर्थ जान सकेंगे;
- रोकड़ बही के प्रकारों को बता सकेंगे;
- साधारण रोकड़ बही को प्रारूप के अनुसार बना सकेंगे और इसका अर्थ बता सकेंगे;
- बैंक स्तम्भ रोकड़ बही को प्रारूप के अनुसार बना सकेंगे और इसका अर्थ बता सकेंगे;

- साधारण रोकड़ बही व बैंक स्तम्भ रोकड़ बही को बता सकेंगे;
- रोकड़ बही से खाता बही में खतौनी कर सकेंगे;
- खुदरा रोकड़ बही की आवश्यकता व अर्थ जान सकेंगे;
- खुदरा रोकड़ बही तैयार कर सकेंगे।

*टिप्पणी*

## 7.1 रोकड़ बही : अर्थ एवं साधारण रोकड़ बही

आप के जन्म दिवस पर आपने अपने माता पिता, दादा–दादी और कुछ अन्य रिश्तेदारों से रोकड़ के रूप में उपहार प्राप्त किये। इस दौरान, आपने अपने मित्र को कुछ ऋण दिया था उससे कुछ राशि वापस प्राप्त की। आपने इस राशि से पुस्तकों और कपड़ों का क्रय किया। आप अपने मित्रों के साथ फिल्म देखने गये। आपने अपनी भतीजी के लिए कुछ खिलौने क्रय किये। अपनी आदत के अनुसार, आपने सभी प्राप्तियों और भुगतान को नोट बुक में लिखा। माह के अंत में, आपने शेष हस्तस्थ रोकड़ की गणना की और उसका मिलान वास्तविक रोकड़ शेष से किया। आप इन मदों की प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा व्यवस्थित रूप में रखने के लिये एक अलग बही रख सकते हैं, तो यह बही रोकड़ बही कहलाती है।

रोकड़ बही वह वही है जिसमें सभी रोकड़ प्राप्तियों और रोकड़ भुगतानों को लिखा जाता है। यह बही मूल प्रविष्टि की प्रथम बही भी है। यह बही अवधि के आरंभ में रोकड और बैंक शेष से प्रारम्भ होती है। नये व्यापार की स्थिति में, प्रारम्भ में कोई रोकड़ शेष नहीं होता है। यह सभी संस्थाओं द्वारा बनाई जाती है। जब रोकड़ बही तैयार की जाती है, तब रोकड़ लेन देनों को राजनामचे में नहीं लिखा जाता और खाता बही में रोकड़ और बैंक खाता तैयार करने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि रोकड़ बही, रोकड़ खाते के उद्देश्य को भी पूरा करती है।

### रोकड़ बही : प्रकार व निर्माण

रोकड़ बही निम्न प्रकार की होती है :

- साधारण रोकड़ बही
- बैंक स्तम्भ रोकड़ बही
- खुदरा रोकड़ बही

### साधारण रोकड़ बही

साधारण रोकड़ बही में केवल रोकड़ प्राप्तियों और रोकड़ भुगतानों का लेखा किया जाता है। इसमें दो पक्ष होते हैः नाम तथा जमा। रोकड़ प्राप्तियों का लेखा नाम पक्ष में किया जाता है जो कि बायाँ पक्ष है और रोकड़ भुगतानों का जमा पक्ष में लेखा किया जाता है जो कि दायाँ पक्ष है इस बही में नाम और जमा पक्ष में एक-एक रोकड़ स्तम्भ होता है। साधारण रोकड़ बही का प्रारूप निम्न हैः

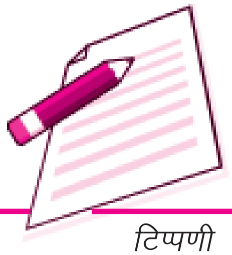

टिप्पणी

## साधारण रोकड़ बही का प्रारूप

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | |

स्तम्भ के अनुसार वर्णन निम्न है :

**तिथि :** इस स्तम्भ में वर्ष, माह व तिथि का लेखा तिथिनुसार किया जाता है।

**विवरण :** इस स्तभ में उस खाते का नाम, जिसके संबंध में रोकड़ प्राप्त की गई है या भुगतान किया गया है, लिखा जाता है। रोकड़ प्राप्ति से सम्बन्धित खातों को नाम पक्ष और रोकड़ भुगतान से सम्बन्धित खातों को जमा पक्ष में लिखा जाता है।

**खाता पृष्ठ संख्या :** इस स्तभ में उस पृष्ठ संख्या को लिखते हैं जिस पृष्ठ पर बही में सम्बन्धित खाता तैयार किया गया है।

**राशि :** इस स्तम्भ में प्राप्त राशि का लेखा नाम पक्ष में और भुगतान की गई राशि का लेखा जमा पक्ष में किया जाता है।

### साधारण रोकड़ बही को तैयार करना

रोकड़ बही एक रोकड़ खाता होता है जिसके नाम और जमा पक्ष होते हैं। रोकड़ खाता संपत्ति खाता है इसलिए इसमें जिस नियम का पालन किया जाता है वह है सम्पत्तियों में वृद्धि होने पर उसके नाम में तथा कमी होने पर उसके जमा पक्ष में लिखा जाता है। अर्थात् रोकड़ बही वह बही है जिसमें सभी रोकड़ प्राप्तियों का लेखा रोकड़ बही के नाम पक्ष में और सभी रोकड़ भुगतानों का लेखा जमा पक्ष में किया जाता है। इसका अर्थ है :

> *रोकड़ बही में उन सभी लेन देनों का लेखा किया जाता है जिनका संबंध केवल रोकड़ प्राप्तियों और भुगतानों से है।*

नाम पक्ष के विवरण स्तंभ में खाते का नाम जिससे रोकड़ प्राप्त की है का लेखा किया जाता है। इसी प्रकार, जमा पक्ष में खाते का नाम, जिसको रोकड़ में भुगतान किया अभिलेख किया जाता है। राशि स्तम्भ में वास्तविक रोकड़ प्राप्ति या भुगतान को लिखा जाता है। माह के अंत में रोकड़ बही को संतुलित किया जाता है। रोकड़ बही का संतुलन उसी प्रकार किया जाता है जिस प्रकार खाता बही में खातों का। रोकड़ बही के नाम पक्ष के योग की तुलना रोकड़ बही के जमा पक्ष के योग से

टिप्पणी

की जाती है और यदि कोई अंतर है तब उसका लेखा रोकड़ बही के जमा पक्ष के विवरण स्तम्भ में शेष आ/ले लिख कर करते हैं। साधारण रोकड़ बही की स्थिति में नाम पक्ष का योग हमेशा जमा पक्ष के योग से अधिक होगा क्योंकि उपलब्ध रोकड़ से अधिक का भुगतान नहीं हो सकता। अंतर की राशि को राशि स्तम्भ में लिखा जायेगा, जिससे दोनों पक्षों का योग एक समान हो जायेगा। जमा पक्ष का अंतिम शेष अगली अवधि के लिए आरम्भिक शेष होगा और इसको रोकड़ बही के नाम पक्ष में अगली अवधि के लिए शेष आ/ले लिखा जायेगा।

साधारण रोकड़ बही में रोकड़ लेन देनों का लेखा तथा इसका संतुलन निम्न उदाहरणों की सहायता से समझाया गया है:

**उदाहरण 1**

मै. रोहन ट्रेडर्स की रोकड़ बही में निम्न का लेनदेनों को प्रविष्ट करें :

| *तिथि* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| दिसंबर 01 | हस्तस्थ रोकड़ | 27,500 |
| दिसंबर 05 | नीतू से रोकड़ प्राप्ति | 12,000 |
| दिसंबर 08 | बीमा प्रीमियम का भुगतान | 2,000 |
| दिसंबर 10 | फर्नीचर का क्रय | 6,000 |
| दिसंबर 14 | रोकड़ में माल का विक्रय | 16,500 |
| दिसंबर 18 | नमन से रोकड़ में माल का क्रय | 26,000 |
| दिसंबर 22 | रोहिणी को रोकड़ भुगतान | 3,200 |
| दिसंबर 25 | कनिका को रोकड़ माल का विक्रय | 18,700 |
| दिसंबर 28 | बैंक में रोकड़ जमा किया | 5,000 |
| दिसंबर 30 | किराये का भुगतान | 4,000 |
| दिसंबर 31 | वेतन का भुगतान | 7,000 |

**हल :**

**मै. रोहन ट्रेडर्स की बहियाँ**

**रोकड़ बही**

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>दिस. 01 | शेष आ/ले | | 27,500 | 2014<br>दिस. 08 | बीमा प्रीमियम | | 2,000 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिस. 05 | नीतू | | 12,000 | दिस. 10 | फर्नीचर | | 6,000 |
| दिस. 14 | विक्रय | | 16,500 | दिस. 18 | क्रय | | 26,000 |
| दिस. 25 | विक्रय | | 18,700 | दिस. 22 | रोहिणी | | 3,200 |
| | | | | दिस. 28 | बैंक | | 5,000 |
| | | | | दिस. 30 | किराया | | 4,000 |
| | | | | दिस. 31 | वेतन | | 7,000 |
| | | | | दिस. 31 | शेष आ/ले | | 21,500 |
| | | | 74,700 | | | | 74,700 |
| 2015 | | | | | | | |
| जन. 01 | शेष आ/ले | | 21,500 | | | | |

टिप्पणी

**उदाहरण 2**

निम्न विवरण से अप्रैल 2014 माह के लिये रोकड़ बही तैयार करें:

| *तिथि* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| अप्रैल 01 | हस्तस्थ रोकड़ शेष | 17,600 |
| अप्रैल 03 | रीना से रोकड़ के बदले माल का क्रय | 7,500 |
| अप्रैल 06 | रोहन को माल का विक्रय | 6,000 |
| अप्रैल 10 | मजदूरी का रोकड़ भुगतान | 500 |
| अप्रैल 15 | नीना को रोकड़ भुगतान | 3,500 |
| अप्रैल 17 | रोकड़ विक्रय | 10,000 |
| अप्रैल 19 | कमीशन का भुगतान | 700 |
| अप्रैल 21 | टीना से रोकड़ प्राप्त | 1,500 |
| अप्रैल 25 | फर्नीचर का रोकड़ में क्रय | 1,700 |
| अप्रैल 28 | किराया भुगतान | 3,000 |
| अप्रैल 30 | बिजली के बिल का रोकड़ भुगतान | 1,300 |

**हल :**

**रोकड़ बही**

नाम जमा

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* | *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 | | | | | 2014 | | |
| अप्रैल 01 | शेष आ/ला | | 17,600 | अप्रैल 03 | क्रय | | 7,500 |
| अप्रैल 17 | विक्रय | | 10,000 | अप्रैल 10 | मजदूरी | | 500 |
| अप्रैल 21 | टीना | | 1,500 | अप्रैल 15 | नीना | | 3,500 |

*टिप्पणी*

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | अप्रैल 19 | कमीशन | | 700 |
| | | | | अप्रैल 25 | फर्नीचर | | 1,700 |
| | | | | अप्रैल 28 | किराया | | 3,000 |
| | | | | अप्रैल 30 | बिजली बिल | | 1,300 |
| | | | | अप्रैल 30 | शेष आ/ला | | 10,900 |
| | | | 29,100 | | | | 29,100 |
| 2014 | | | | | | | |
| मई 01 | शेष आ/ले | | 10,900 | | | | |

**टिप्पणी :** उधार लेनदेन का लेखा रोकड़ बही में नहीं किया जाता (जैसे रोहन को 6 अप्रैल 2014 को ₹ 6,000 के उधार माल का विक्रय)

## रोकड़ बही से खाता बही में खतौनी

जैसा कि हम जानते है कि रोकड़ प्राप्तियों को रोकड़ बही के नाम पक्ष में और रोकड़ भुगतानों को रोकड़ बही के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है रोकड़ बही के नाम पक्ष में लिखे गये खातों की खतौनी खाता बही में सम्बंधित खातों में जमा पक्ष में की जायेगी। इसी प्रकार रोकड़ बही के जमा पक्ष में लिखे गये खातों की खतौनी खाता बही में सम्बंधित खातों के नाम पक्ष में की जायेगी।

रोकड़ बही अपने आप में रोकड़ खाता है इसलिए खाता बही में अलग से रोकड़ खाता तैयार नहीं किया जायेगा।

रोकड़ बही से खाता बही में खतौनी उदाहरण न. 2 से संबंधित है:

### (अ) रोकड़ बही के नाम पक्ष की खतौनी

#### विक्रय खाता

नाम | जमा

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* | *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 2014 | | | |
| | | | | अप्रैल 17 | रोकड़ | | 10,000 |

#### टीना का खाता

नाम | जमा

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* | *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 2014 | | | |
| | | | | अप्रैल 21 | रोकड़ | | 1,500 |

## (ब) रोकड़ बही के जमा पक्ष की खतौनी

### क्रय खाता

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 03 | रोकड़ | | 7,500 | | | | |

### मजदूरी खाता

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 10 | रोकड़ | | 500 | | | | |

### नीना का खाता

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 10 | रोकड़ | | 3,500 | | | | |

### कमीशन खाता

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 19 | रोकड़ | | 700 | | | | |

### फर्नीचर खाता

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 25 | रोकड़ | | 1,700 | | | | |

## किराया खाता

नाम | | | | | | | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 28 | रोकड़ | | 3,000 | | | | |

## बिजली बिल खाता

नाम | | | | | | | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>अप्रैल 30 | रोकड़ | | 1,300 | | | | |

## पाठगत प्रश्न 7.1

***I.*** *निम्नलिखित वाक्यों को उपयुक्त शब्दों से पूरा कीजिए :*

i. अवधि के प्रारंभ में रोकड़ बही ......................... शेष से प्रारम्भ होती है।

ii. जब रोकड़ बही तैयार की जाती है तब रोकड़ लेखों को ...................में नहीं लिखा जाता।

iii. साधारण रोकड़ बही में केवल रोकड़ ......................... और रोकड़ ......................... का लेखा किया जाता है।

iv. साधारण रोकड़ बही ......................... पक्ष का योग हमेशा .....................पक्ष के योग से अधिक होगा।

v. रोकड़ बही का अंतिम शेष जो कि अगली अवधि का आरंभिक शेष है को . ......................... लिखा जाता है।

***II.*** *नीचे कुछ लेन–देन दिये हैं आप उन्हें रोकड़ बही के किस पक्ष में लिखेंगे? सही पक्ष में (√) ठीक का निशान लगाईये।*

| क्र.सं. | लेनदेन | नाम पक्ष | जमा पक्ष |
|---|---|---|---|
| i. | सानिया ने रोकड़ से व्यापार आरम्भ किया | | |
| ii. | रोकड़ में माल का क्रय | | |
| iii. | रोकड़ से माल का विक्रय | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| iv. | रोकड़ बैंक में जमा | | |
| v. | किराये का भुगतान | | |
| vi. | कम्प्यूटर का क्रय | | |
| vii. | अंतिम रोकड़ शेष | | |
| viii. | मोहित से रोकड़ प्राप्ति | | |

टिप्पणी

## 7.2 बैंक स्तम्भ वाली रोकड़ बही

जब एक संगठन में बैंक लेनदेन अधिक संख्या में होते हैं तो यह आवश्यक हो जाता है कि बैंक लेन देनों के लिए एक अलग बही रखी जाये। बैंक लेन देनों का लेखा अलग बही में रखने के स्थान पर, साधारण रोकड़ बही के प्रत्येक पक्ष में एक स्तम्भ और जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार की रोकड़ बही को बैंक स्तम्भ रोकड़ बही के नाम से जाना जाता है। बैंक को भुगतान किये गये सभी लेखों को नाम पक्ष में तथा बैंक के माध्यम से किए गए आहरणों/भुगतानों किये गये लेखों को रोकड़ बही के जमा पक्ष में लिखा जायेगा। बैंक स्तम्भ रोकड़ बही का प्रारूप निम्न है:

**बैक स्तम्भ रोकड़ वही का प्रारूप**

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | |

### बैंक स्तम्भ रोकड़ बही को तैयार करना

बैंक स्तम्भ रोकड़ बही में, रोकड़ लेन देनों का लेखा उसी प्रकार से किया जाता जिस प्रकार साधारण रोकड़ बही में लेखा किया जाता है। अंतर यह है कि बैंक स्तम्भ रोकड़ बही में बैंक से संबन्धित लेन देनों का भी लेखा किया जाता है यहाँ पर कुछ विशेष व्यापारिक लेन देन होते हैं जिनको बैंक स्तम्भ रोकड़ बही में विशेष लेखाकरण की आवश्यकता होती है:

(i) आरंभिक शेष
(ii) चैक की प्राप्ति
(iii) प्रति प्रविष्टियाँ (Contra entries)
(iv) चैकों का बेचान
(v) बैंक व्यय

*टिप्पणी*

इन विशेष लेन देनों का लेखाकरण निम्न प्रकार होगा :

### (i) आरंभिक शेष

आरंभिक रोकड़ तथा बैंक शेष का लेखा रोकड़ वही के नाम पक्ष में किया जायेगा। कभी–कभी व्यवसायी बैंक से अधिक राशि का आहरण (अपने बैंक खाते से ) करता है जिससे माह के अंत में बैंक शेष जमा शेष होता है, यह शेष राशि बैंक अधिविकर्ष कहलाती है। यह राशि रोकड़ बही में बैंक स्तम्भ में जमा पक्ष के आरंभिक शेष के रूप में लिखी जायेगी। उदाहरण के लिए एक व्यवसायी के पास ₹ 12,000 हस्तस्थ रोकड़ व ₹ 15,000 बैंक अधिविकर्ष (जमा शेष) के है जिसका लेखा निम्न प्रकार होगा।

**बैंक स्तम्भ रोकड़ बही**

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | शेष आ/ला | | 12,000 | | | शेष आ/ला | | | 15,000 |

### (ii) चैकों की प्राप्ति

सभी रोकड़ प्राप्तियों का लेखा रोकड़ स्तम्भ में और चैकों की प्राप्तियों को रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ में लिखा जाता है, यदि चैकों को प्राप्ति की तिथि को ही बैंक में जमा किया जाता है तो इसका लेखा रोकड़ बही के नाम पक्ष के बैंक स्तम्भ में किया जाता है। यदि ग्राहक से प्राप्त चैक को बैंक में प्राप्ति को तिथि को जमा नहीं कराया जाता, तब इसको रोकड़ बही के नाम पक्ष में रोकड़ स्तम्भ में रोकड़ के रूप में सम्मिलित किया जायेगा। उदाहरण के लिए तरूण से मई 2, 2014 को ₹ 7,000 का चैक प्राप्त किया व उसी तिथि को जमा किया गया।

**बैंक स्तम्भ रोकड़ बही**

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>मई 2 | तरूण | | | 7,000 | | | | | |

यदि चैक मई 10, 2014 को जमा किया जाता है इस स्थिति में मई 02, 2014 को प्रविष्टि निम्न होगी :

टिप्पणी

## बैंक स्तम्भ रोकड़ बही

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>मई 2 | तरूण | | 7,000 | | | | | | |

### (iii) प्रति प्रविष्टियाँ (Contra entries)

जब लेन देनों का संबंध रोकड़ और बैंक दोनों से होता है तो इनका लेखा रोकड़ बही में एक तरफ रोकड़ स्तंभ में और दूसरी तरफ के बैंक स्तंभ में किया जाता है। इस प्रकार के लेन देनों का लेखा प्रति प्रविष्टि से जाना जाता है। रोकड़ को बैंक से कार्यालय प्रयोग के लिए आहरण करने की स्थिति में, इसका लेखा रोकड़ बही के जमा पक्ष के बैंक स्तम्भ में और नाम पक्ष के रोकड़ स्तंभ में किया जायेगा। बैंक में रोकड़ जमा करने की स्थिति में रोकड़ बही के नाम पक्ष के बैंक स्तंभ में और जमा पक्ष के रोकड़ स्तंभ में राशि का लेखा किया जायेगा। खाता पृष्ठ संख्या के स्तंभ में अक्षर 'C' दोनों पक्षों में प्रविष्टि के सामने लिखा जायेगा। इन प्रविष्टियों की खाता बहीं में खतौनी नहीं की जायेगी। उदाहरण के लिए मई 15, 2014 को ₹ 2,000 का कार्यालय प्रयोग के लिए बैंक से आहरण किया गया । इस लेन देन की प्रविष्टि निम्न प्रकार से होगी :

## बैंक स्तम्भ रोकड़ बही

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>मई 15 | बैंक | C | 2,000 | | मई 15 | रोकड़ | C | | 2,000 |

### (iv) चैकों का बेचान

जब ग्राहक से प्राप्त चैक को अन्य पक्षों को दिया जाता है, अर्थात् बेचान किया जाता है, तो प्राप्ति पर इसका लेखा रोकड़ स्तंभ के जमा पक्ष में किया जायेगा। चैक हस्तांतरण पर इसकी राशि का लेखा रोकड़ बही के जमा पक्ष में रोकड़ स्तंभ में किया जायेगा। उदाहरण के लिए मै. जे.पी ट्रेडर्स से मई 22, 2014 को ₹ 8,000 का चैक प्राप्त किया। मई 27, 2014 को इसका बेचान मै. कपिला ट्रेडर्स के पक्ष में किया गया। इस लेन देन का लेखा निम्न प्रकार होगा :

*टिप्पणी*

**बैंक स्तम्भ रोकड़ बही**

नाम | जमा

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *रोकड़ (₹)* | *बैंक (₹)* | *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *रोकड़ (₹)* | *बैंक (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>मई 22 | जे.पी. ट्रेडर्स<br>(चैक) | | 8,000 | | 2014<br>मई 27 | कपिला ट्रेडर्स<br>(चैक) | | 8,000 | |

## (v) बैंक प्रभार (Bank Charges)

यदि बैंक कोई ब्याज या अन्य स्थानों के चैक एकत्र करने के लिए प्रभार लगाता है तो उसे रोकड़ बही के जमा पक्ष में बैंक स्तंभ में लिखा जायेगा। इसी प्रकार यदि बैंक ब्याज देता है, कमीशन आदि एकत्रित करता है तो इन्हें रोकड़ बही के नाम पक्ष के बैंक स्तंभ में लिखा जायेगा।

### उदाहरण 3

निम्न लेन देनों का लेखा मै. टाइम जोन की बैंक स्तंभ रोकड़ पुस्तक में माह जनवरी 2014 के लिए करें।

| *तिथि* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| जनवरी 01 | बैंक शेष | 32,500 |
| जनवरी 01 | रोकड़ शेष | 12,300 |
| जनवरी 03 | चैक द्वारा माल का क्रय | 5,300 |
| जनवरी 08 | रोकड़ में माल का विक्रय | 9,500 |
| जनवरी 10 | चैक द्वारा टाईपराईटर का क्रय | 5,400 |
| जनवरी 15 | माल का विक्रय व चैक प्राप्त किया<br>(इसी तिथि को जमा किया) | 7,900 |
| जनवरी 17 | चैक द्वारा स्टेशनरी का क्रय | 1,000 |
| जनवरी 20 | रोकड़ बैंक में जमा | 10,000 |
| जनवरी 22 | भाड़े का भुगतान | 500 |
| जनवरी 24 | मुदित को चैक दिया | 7,000 |
| जनवरी 28 | चैक द्वारा किराये का भुगतान | 3,000 |
| जनवरी 30 | वेतन का भुगतान | 3,500 |

टिप्पणी

**हल**

## बैंक स्तंभ रोकड़ बही

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 | | | | | 2014 | | | | |
| जन.1 | शेष आ/ला | | 12,300 | 32,500 | जन.3 | क्रय | | | 5,300 |
| जन.8 | विक्रय | | 9,500 | | जन.10 | टाईप राईटर | | 5,400 | |
| जन.15 | विक्रय | | | 7,900 | जन.17 | स्टेशनरी | | | 1,000 |
| जन.20 | रोकड़ | C | | 10,000 | जन.20 | बैंक | C | 10,000 | |
| | | | | | जन.22 | भाड़ा | | 500 | |
| | | | | | जन.24 | मुदित | | | 7,000 |
| | | | | | जन.28 | किराया | | | 3,000 |
| | | | | | जन.30 | वेतन | | 3,500 | |
| | | | | | जन.31 | शेष आ/ले | | 7,800 | 28,700 |
| | | | 21,800 | 50,400 | | | | 21,800 | 50,400 |
| फर. 1 | शेष आ/ला | | 7,800 | 28,700 | | | | | |

### उदाहरण 4

मै. टी ट्रेडर्स की बैंक स्तम्भ रोकड़ बही में अप्रैल 2014 के लिए निम्न लेन देन का लेखा करे।

| तिथि | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| अप्रैल 01 | रोकड़ से व्यापार आरंभ किया | 60,000 |
| अप्रैल 01 | SBI में बैंक खाता खोला | 45,000 |
| अप्रैल 05 | रोकड़ द्वारा माल का क्रय | 7,000 |
| अप्रैल 10 | रोकड़ द्वारा कार्यालय के मशीन का क्रय | 5,000 |
| अप्रैल 15 | मंजुला को उधार माल का विक्रय और चैक प्राप्त किया | 6,000 |
| अप्रैल 18 | रोकड़ में विक्रय | 10,000 |
| अप्रैल 20 | मंजुला का चैक बैंक में जमा कराया | |
| अप्रैल 22 | चैक द्वारा मजदूरी का भुगतान | 300 |
| अप्रैल 25 | बैंक से रोकड़ का आहरण व्यक्तिगत प्रयोग के लिए | 3,000 |
| अप्रैल 30 | चैक से किराये का भुगतान | 2,000 |

टिप्पणी



**हल**

## बैंक स्तंभ रोकड़ बही

नाम | जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 | | | | | 2014 | | | | |
| अप्रैल1 | पूँजी | | 60,000 | | अप्रैल3 | SBI बैंक | C | 45,000 | |
| अप्रैल1 | रोकड़ | C | | 45,000 | अप्रैल5 | क्रय | | 7,000 | |
| अप्रैल15 | विक्रय | | 6,000 | | अप्रैल10 | कार्यालय मशीन | | 5,000 | |
| अप्रैल18 | विक्रय | | 10,000 | | अप्रैल20 | बैंक (चैक) | C | 6,000 | |
| अप्रैल20 | नकद (चैक) | C | | 6,000 | अप्रैल22 | मजदूरी | | | 300 |
| | | | | | अप्रैल25 | आहरण | | | 3,000 |
| | | | | | अप्रैल30 | किराया | | | 2,000 |
| | | | | | अप्रैल30 | शेष आ/ले | | 13,000 | 45,700 |
| | | | 76,000 | 51,000 | | | | 76,000 | 51,000 |
| मई 1 | शेष आ/ला | | 13,000 | 45,700 | | | | | |

### उदाहरण 5

निम्न सूचनाओं से दिसंबर 2014 के लिए बैंक स्तंभ रोकड़ बही बनाइये :

| तिथि | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| दिसम्बर 1 | हस्तस्थ रोकड़ | 10,500 |
| दिसम्बर 1 | बैंक अधिविकर्ष | 9,500 |
| दिसम्बर 4 | मजदूरी का भुगतान | 400 |
| दिसम्बर 6 | रोकड़ में विक्रय | 10,000 |
| दिसम्बर 9 | रोकड़ बैंक में जमा | 5,000 |
| दिसम्बर 13 | माल का क्रय व चैक द्वारा भुगतान | 6,000 |
| दिसम्बर 15 | रोकड़ बैंक में जमा | 4,000 |
| दिसम्बर 18 | व्यापारिक व्यय का चैक द्वारा भुगतान | 1,200 |
| दिसम्बर 22 | किराये का भुगतान | 2,300 |
| दिसम्बर 25 | राहुल से रोकड़ प्राप्त | 1,500 |
| दिसम्बर 27 | कमीशन का भुगतान | 2,000 |
| दिसम्बर 29 | वेतन का भुगतान | 3,500 |
| दिसम्बर 31 | चैक द्वारा माल का क्रय | 3,000 |

टिप्पणी

**हल**

### बैंक स्तंभ रोकड़ बही

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | रोकड़ (₹) | बैंक (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 | | | | | 2014 | | | | |
| दिस. 1 | शेष आ/ला | | 10,500 | | दिस. 1 | शेष आ/ला | | | 9,500 |
| दिस. 6 | विक्रय | | 10,000 | | दिस. 4 | मजदूरी | | 400 | |
| दिस. 9 | रोकड़ | C | | 5,000 | दिस.9 | बैंक | C | 5,000 | |
| दिस. 15 | रोकड़ | C | | 4,000 | दिस. 13 | क्रय | | | 6,000 |
| दिस. 25 | राहुल | | 1,500 | | दिस. 15 | बैंक | C | 4,000 | |
| दिस. 31 | शेष आ/ला | | | 10,700 | दिस. 18 | व्यापारिक व्यय | | | 1,200 |
| | | | | | दिस. 22 | किराया | | 2,300 | |
| | | | | | दिस. 27 | कमीशन | | 2,000 | |
| | | | | | दिस. 29 | वेतन | | 3,500 | |
| | | | | | दिस. 31 | क्रय | | | 3,000 |
| | | | | | दिस. 31 | शेष आ/ले | | 4,800 | |
| | | | 22,000 | 19,700 | | | | 22,000 | 19,700 |
| 2015 | | | | | 2015 | | | | |
| जन. 1 | शेष आ/ला | | 4,800 | | जन. 1 | शेष आ/ले | | | 10,700 |

### बैंक स्तंभ रोकड़ बही की खाता बही में खतौनी

रोकड़ खाते की तरह ही अलग से बैंक खाता नहीं खोला जायेगा। रोकड़ बही में प्रत्येक पक्ष की प्रति प्रविष्टियों से सम्बंधित खातों की खतौनी करने की आवश्यकता नहीं है। रोकड़ बही में प्रत्येक पक्ष के बैंक स्तंभ के अन्य खातों को उसी प्रकार खाता बही में रखा जायेगा जैसा कि हमने साधारण रोकड़ बही की स्थिति में तैयार किया है।

उदाहरण संख्या 5 के संदर्भ में रोकड़ बही की विभिन्न मदों की खतौनी निम्न प्रकार से है।

### (अ) बैंक स्तंभ रोकड़ बही के नाम पक्ष की खतौनी

#### विक्रय खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 2014 | | | |
| | | | | दिस. 6 | रोकड़ | | 10,000 |

टिप्पणी



### राहुल का खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 2014<br>दिस. 25 | रोकड़ | | 1,500 |

## (ब) बैंक स्तंभ रोकड़ बही के जमा पक्ष की खतौनी

### क्रय खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>दिस. 13 | बैंक | | 6,000 | | | | |
| दिस. 31 | बैंक | | 3,000 | | | | |

### मजदूरी खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>दिस. 4 | रोकड़ | | 400 | | | | |

### व्यापारिक व्यय खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>दिस. 18 | बैंक | | 1,200 | | | | |

### कमीशन खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014<br>दिस. 27 | रोकड़ | | 2,000 | | | | |

### वेतन खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 दिस. 29 | रोकड़ | | 3,500 | | | | |

### किराया खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2014 दिस. 22 | रोकड़ | | 2,300 | | | | |

## पाठगत प्रश्न 7.2

*उचित शब्द/शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :*

i. बैंक स्तंभ रोकड़ बही के प्रत्येक पक्ष में .............................. स्तंभ दर्शाया जाता है।

ii. बैंक स्तंभ रोकड़ बही ................................ और ................................ से सम्बंधित लेन देनों का लेखा करती है।

iii. रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ के जमा शेष को ................................ कहा जाता है।

iv. जब ग्राहक से चैक प्राप्त होता है लेकिन बैंक में उसी दिन जमा नहीं किया जाता। इसको ................................ पक्ष के ................................ स्तम्भ में लिखा जायेगा।

v. जब लेन देन का संबंध बैंक स्तंभ रोकड़ बही के रोकड़ और बैंक दोनों पक्षों से होता है तो इस प्रकार के लेन देनों को ................................ के नाम से जाना जाता है।

vi. जब ग्राहक से प्राप्त चैक को किसी अन्य पक्ष को दिया जाता है। यह ...... ........................... कहलाता है।

## 7.3 खुदरा रोकड़ बही (Petty Cash Book): अर्थ और आवश्यकता

बड़े व्यावसायिक संगठनों में बड़ी संख्या में बार बार किये जाने वाले छोटे खर्चों के भुगतान किये जाते हैं जैसे कि यात्रा व्यय, भाड़ा, डाक व्यय, टेलीग्राम, कुरियर तथा अन्य खर्चे। ऐसे संगठनों में मुख्य रोकड़िया के अधीन एक व्यक्ति की नियुक्ति कर दी जाती है। इस व्यक्ति को खुदरा/लघु रोकड़िया कहते हैं। वह इन खर्चों का भुगतान

करता है तथा इन का अभिलेखन एक अलग रोकड़ बही में करता है। इस बही को खुदरा रोकड़ बही कहते हैं। खुदरा रोकड़िया अग्रिम व्यवस्था से कार्य करता है। इस पद्धति में एक निर्धारित राशि, जैसे कि ₹ 4,000, खुदरा रोकड़िया को एक अवधि के प्रारम्भ में दे दी जाती है। इस राशि को अग्रिम राशि कहते हैं। खुदरा रोकड़िया अग्रिम राशि में से सभी छोटे छोटे भुगतान करता रहता है। अवधि के अन्त में, जैसे कि एक महीना, वह मुख्य रोकड़िए को हिसाब देता है जो उसकी प्रतिपूर्ति कर देता है। जैसे माना कि महीने के अंत तक ₹ 4,000 में से वह ₹ 3,850 व्यय कर देता है तो अगले महीने के प्रारम्भ में उसके पास पूरी अग्रिम राशि हो जायेगी। प्रतिपूर्ति की यह प्रक्रिया प्रति सप्ताह, पाक्षिक अथवा मासिक हो सकती है जो कि छोटे छोटे भुगतान की आवर्ती पर निर्भर करती है। खुदरा व्यय के भुगतान एवं खुदरा रोकड़ बही के रखने के कार्यों को किसी अन्य व्यक्ति को सौंप देने से मुख्य रोकड़िए का भार कम हो जाता है।

टिप्पणी

खुदरा रोकड़ बही के भुगतान पक्ष में राशि के कई स्तम्भ होते है। प्रत्येक स्तम्भ को किसी विशिष्ट भुगतान के लिए आबंटित कर दिया जाता है जो कि बहुत सामान्य है। अंतिम स्तम्भ मिले जुले भुगतानों के लिए होता है। अवधि की समाप्ति पर राशि के स्तम्भों का योग किया जाता है। पाँचवे स्तम्भ में जो कुल भुगतान राशि दिखाई गई है उसको स्तम्भ एक की राशि में से घटा दिया जाता है। महीने के प्रारम्भ में पिछले महीने कुल भुगतान की गई राशि की मुख्य रोकड़िये के द्वारा प्रतिपूर्ति कर दी जाती है।

खुदरा रोकड़ बही का प्रारूप निम्न है :

**खुदरा रोकड़ बही (प्रारूप)**

| *प्राप्त राशि* | *तिथि* | *विवरण* | *बीजक संख्या* | *राशि का भुगतान(₹)* | *भुगतानों का विश्लेषण* | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | *डाक व्यय* | *टेलीफोन व तार* | *परिवहन* | *स्टेशनरी* | *विविध व्यय* |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| | | | | | | | | | |

### उदाहरण 6

मै. ट्रैवल इंडिया के खुदरा रोकड़िए श्री सुमित ने अप्रैल 1, 2014 को मुख्य रोकड़िये से ₹ 2000 प्राप्त किये। अप्रैल 2014 माह के दौरान निम्न मदों पर भुगतान किए गए खुदरा व्यय के लिए अग्रिम विधि पर खुदरा रोकड़ बही तैयार करें :

| तिथि | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|
| 2014 | | |
| अप्रैल 2 | ऑटो का किराया | 200 |
| अप्रैल 3 | कुरियर सेवाएँ | 50 |
| अप्रैल 4 | डाक टिकटें | 95 |
| अप्रैल 5 | पेंसिल/पैड | 65 |
| अप्रैल 6 | स्पीड पोस्ट व्यय | 40 |
| अप्रैल 8 | टैक्सी का किराया (205+90) | 295 |
| अप्रैल 9 | जलपान | 310 |
| अप्रैल 11 | आटो का किराया | 60 |
| अप्रैल 13 | टेलीग्राम | 64 |
| अप्रैल 16 | कम्प्यूटर स्टेशनरी | 165 |
| अप्रैल 19 | बस का किराया | 40 |
| अप्रैल 21 | एस.टी.डी. कॉल व्यय | 205 |
| अप्रैल 23 | जलपान | 80 |
| अप्रैल 25 | फोटोस्टेट व्यय | 45 |
| अप्रैल 28 | कुरियर सेवाएँ | 40 |
| अप्रैल 30 | बस का किराया | 40 |

**हल**

## खुदरा रोकड़ बही

| प्राप्त राशि | तिथि | विवरण | बीजक संख्या | राशि का भुगतान(₹) | भुगतानों का विश्लेषण | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | डाक व्यय | टेलीफोन व तार | परिवहन | स्टेशनरी | विविध व्यय |
| | 2014 अप्रैल | | | | | | | | |
| 2,000 | 01 | रोकड़ प्राप्ति | | | | | | | |
| | 02 | आटो का किराया | | 200 | | | 200 | | |
| | 03 | कुरियर सेवा | | 50 | 50 | | | | |
| | 04 | डाक टिकटें | | 95 | 95 | | | | |
| | 05 | पेंसिल/पैड | | 65 | | | | 65 | |
| | 06 | स्पीड पोस्ट व्यय | | 40 | 40 | | | | |

*टिप्पणी*

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 08 | टैक्सी का किराया | | 295 | | | 295 | | |
| | 09 | जलपान | | 310 | | | | | 310 |
| | 11 | आटो का किराया | | 60 | | | 60 | | |
| | 13 | तार व्यय | | 64 | | 64 | | | |
| | 16 | कम्प्यूटर स्टेशनरी | | 165 | | | | 165 | |
| | 19 | बस का किराया | | 40 | | | | 40 | |
| | 21 | STD व्यय | | 205 | | 205 | | | |
| | 23 | जलपान | | 80 | | | | | 80 |
| | 25 | फोटोस्टेट व्यय | 45 | | | | | 45 | |
| | 28 | कुरियर सेवा | | 40 | 40 | | | | |
| | 30 | बस का किराया | 40 | | | | 40 | | |
| | | | | 1,794 | 225 | 269 | 595 | 230 | 435 |
| | 30 | शेष आ/ले | | 206 | | | | | |
| 2,000 | | | | 2,000 | | | | | |
| 206 | मई 1 | शेष आ/ला | | | | | | | |
| 1,794 | 01 | रोकड़ प्राप्त | | | | | | | |

## पाठगत प्रश्न 7.3

*उचित शब्द/शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :*

i. मुख्य रोकड़िये के सहायक को ........................... के नाम से जाना जाता है।

ii. खुदरा लेन देन का लेखा रखने वाली अलग रोकड़ बही को ............................... कहा जाता है।

iii. वह राशि जो खुदरा रोकड़ियों को अवधि के आरम्भ में दी जाती है ........................... के नाम से जाना जाता है।

iv. खुदरा रोकड़ बही के अंर्तगत अग्रिम प्रणाली में, खुदरा रोकड़िये द्वारा भुगतान की गई राशि जो कि उसने .......................... दौरान खर्च की है अदा कर दी जाती है।

## आपने क्या सीखा

- रोकड़ बही एक बही है जिसमें सभी रोकड़ प्राप्तियों तथा रोकड़ भुगतानों का लेखा किया जाता है यह मूल प्रविष्टि की बहियों में से एक है।

**रोकड़ बही के प्रकार**

- साधारण रोकड़ बही
- बैंक स्तम्भ रोकड़ बही
- खुदरा रोकड़ बही

- **साधारण रोकड़ बही :** साधारण रोकड़ बही में केवल रोकड़ प्राप्तियों और रोकड़ भुगतानों का लेखा किया जाता है।
- **बैंक स्तम्भ रोकड़ बही :** इस प्रकार की रोकड़ बही में बैंक और रोकड़ स्तम्भ प्रत्येक पक्ष में दर्शाया जाता है।
- **प्रति प्रविष्टियाँ :** वह लेन-देन जिसका सम्बंध रोकड़ और बैंक दोनों से होता है इनका लेखा रोकड़ बही में एक तरफ रोकड़ स्तम्भ में और दूसरी तरफ बैंक स्तम्भ में किया जाता है इस प्रकार के लेन देनों का लेखा करने को प्रति प्रविष्ट से जाना जाता है।
- बड़े व्यावसायिक संगठनों में छोटे भुगतान के लेन-देन अधिक संख्या में होते है जैसे परिवहन के लिए भाड़ा, डाक व्यय, तार व्यय और अन्य व्यय। ये संस्थाएँ मुख्य रोकड़िये की सहायता के लिए सहायक नियुक्त करती है इस प्रकार नियुक्त किये गये रोकड़िये को खुदरा रोकड़िये के नाम से जाना जाता है वह इन व्ययों का भुगतान करता है और इन का लेखा करने के लिए एक अलग रोकड़ बही तैयार करता है। इस प्रकार की रोकड़ बही को खुदरा रोकड़ बही कहा जाता है।

## पाठान्त प्रश्न

1. रोकड़ बही क्या है? रोकड़ बही के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
2. ''बैंक स्तम्भ रोकड़ बही'' का प्रारूप बनाइये और इसमें कम से कम पाँच मदों को लिखिए।
3. प्रति प्रविष्टि क्या है? बैंक स्तम्भ रोकड़ बही बनाते समय इस प्रकार की प्रविष्टि का लेखा किस प्रकार करेंगे?
4. खुदरा रोकड़ बही से आप क्या समझते हैं? खुदरा रोकड़ बही की अग्रिम प्रणाली का वर्णन करें।
5. मै. गोल्डन ट्रेडर्स की साधारण रोकड़ बही में निम्न लेन देनों को लिखिए :

| 2014 | | ₹ |
|---|---|---|
| अप्रैल 1 | रोकड़ से व्यवसाय आरम्भ किया | 30,000 |
| अप्रैल 2 | रोकड़ में माल का क्रय | 10,000 |

टिप्पणी

| | | |
|---|---|---|
| अप्रैल 3 | फर्नीचर का क्रय | 1,000 |
| अप्रैल 6 | रोकड़ में माल का विक्रय | 7,000 |
| अप्रैल 9 | भाड़े का भुगतान | 200 |
| अप्रैल 10 | डाक व्यय | 100 |
| अप्रैल 12 | रोकड़ में विक्रय | 3,000 |
| अप्रैल 14 | निजी उपयोग के लिए रोकड़ का आहरण | 2,000 |
| अप्रैल 18 | बैंक में जमा किया | 10,000 |
| अप्रैल 22 | रोकड़ से माल का क्रय | 13,000 |
| अप्रैल 25 | मजदूरी का भुगतान | 500 |
| अप्रैल 27 | किराये का भुगतान | 3,000 |
| अप्रैल 28 | रोकड़ में विक्रय | 2,000 |
| अप्रैल 30 | कमीशन प्राप्त किया | 500 |

6. निम्न लेन-देनों से साधारण रोकड़ बही बनाइये :

| | | |
|---|---|---|
| 2014 | | ₹ |
| मार्च 01 | हस्तस्थ रोकड़ | 32,500 |
| मार्च 08 | रोहन को रोकड़ का भुगतान | 8,000 |
| मार्च 12 | माल का क्रय | 3,000 |
| मार्च 15 | तानिया से रोकड़ प्राप्ति | 2,000 |
| मार्च 18 | रोकड़ में विक्रय | 4,000 |
| मार्च 22 | मजदूरी का भुगतान | 4,000 |
| मार्च 25 | वेतन का भुगतान | 3,000 |
| मार्च 28 | मनीष को रोकड़ में भुगतान | 3,500 |
| मार्च 31 | किराये का भुगतान | 2,500 |

7. निम्न लेन-देनों से बैंक स्तम्भ रोकड़ बही बनाइये :

| | | |
|---|---|---|
| 2014 | | ₹ |
| जुलाई 1 | हस्तस्थ रोकड़ | 18,000 |
| | बैंक में रोकड़ | 27,500 |
| जुलाई 3 | रोकड़ में माल का विक्रय | 10,000 |

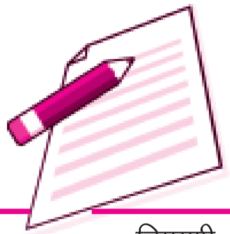

टिप्पणी

| | | |
|---|---|---|
| जुलाई 6 | चैक द्वारा माल प्राप्त किया | 16,000 |
| जुलाई 8 | रोकड़ बैंक में जमा | 20,000 |
| जुलाई 10 | व्यापारिक व्ययों का चैक द्वारा भुगतान | 2,000 |
| जुलाई 12 | अंकेक्षण फीस का रोकड़ में भुगतान | 1,000 |
| जुलाई 14 | गरिमा से चैक प्राप्त किया ओर बैंक में जमा किया | 4,700 |
| जुलाई 18 | निजी उपयोग के लिये बैंक से आहरण | 2,000 |
| जुलाई 20 | कार्यालय मशीन का चैक द्वारा क्रय | 5,000 |
| जुलाई 22 | मजदूरी का भुगतान | 1,000 |
| जुलाई 26 | रोकड़ में विक्रय | 5,000 |
| जुलाई 28 | महेश से चैक प्राप्त किया | 2,000 |
| जुलाई 29 | वेतन का भुगतान | 5,000 |
| जुलाई 30 | महेश का चैक बैंक में जमा किया | |
| जुलाई 31 | किराये का भुगतान | 2,000 |

8. मै. स्टाईल इण्डिया के निम्न लेन देनों से अगस्त 2014 माह के लिये बैंक स्तम्भ रोकड़ बही बनाइये :

| 2014 | | ₹ |
|---|---|---|
| अगस्त 1 | हस्तस्थ रोकड़ | 18,000 |
| | बैंक में रोकड़ | 27,500 |
| अगस्त 3 | रोकड़ में विक्रय | 10,000 |
| अगस्त 5 | चैक द्वारा फर्नीचर का क्रय | 8,700 |
| अगस्त 8 | सोनू को चैक द्वारा भुगतान | 13,500 |
| अगस्त 12 | आशिमा से चैक प्राप्त किया व बैंक में जमा किया | 13,000 |
| अगस्त 16 | रोकड़ में विक्रय | 7,000 |
| अगस्त 18 | बैंक में जमा | 8,000 |
| अगस्त 20 | निजी उपयोग के लिए बैंक से आहरण | 7,000 |
| अगस्त 22 | नवीन से चैक प्राप्त किया | 7,000 |
| अगस्त 24 | किराये का भुगतान | 5,000 |
| अगस्त 26 | नवीन का चैक बैंक में जमा किया | |
| अगस्त 28 | कार्यालय प्रयोग के लिये बैंक से आहरण | 5,000 |

| | | |
|---|---|---|
| अगस्त 29 | वेतन का भुगतान | 3,000 |
| अगस्त 31 | बिजली बिल के लिये रोकड़ का भुगतान | 500 |
| अगस्त 31 | टेलीफोन बिल के लिए रोकड़ का भुगतान | 1,000 |

9. निम्न लेन देनों से मार्च 2014 माह के लिए बैंक स्तम्भ रोकड़ बही तैयार करें:

| 2014 | | ₹ |
|---|---|---|
| मार्च 1 | हस्तस्थ रोकड़ | 3,200 |
| | बैंक अधिविकर्ष | 16,500 |
| मार्च 4 | रोकड़ में विक्रय | 4,000 |
| मार्च 7 | बबली से चैक प्राप्त किया | 6,000 |
| मार्च 10 | चैक द्वारा माल का क्रय | 2,000 |
| मार्च 12 | बबली का चैक बैंक में जमा किया | |
| मार्च 14 | रोकड़ में विक्रय | 5,000 |
| मार्च 18 | रोकड़ बैंक में जमा | 8,000 |
| मार्च 20 | वेतन का भुगतान | 2,000 |
| मार्च 22 | मजदूरी का भुगतान | 150 |
| मार्च 23 | बैंक द्वारा ब्याज लगाया गया | 300 |
| मार्च 27 | रोकड़ में विक्रय | 2,500 |
| मार्च 29 | टेलीफोन बिल का रोकड़ में भुगतान | 100 |
| मार्च 31 | रोकड़ में माल का क्रय | 2,000 |

10. निम्न खुदरा भुगतानों की मदों से सितम्बर 2014 माह के लिए अग्रिम व्यवस्था के आधार पर खुदरा रोकड़ बही बनाइये :

| 2014 | | ₹ |
|---|---|---|
| सितम्बर 2 | डाक व्यय | 130 |
| सितम्बर 4 | स्टेशनरी | 50 |
| सितम्बर 6 | ऑटो का किराया | 60 |
| सितम्बर 8 | जलपान | 210 |
| सितम्बर 10 | कुरियर सेवाएँ | 60 |
| सितम्बर 12 | स्पीड पोस्ट व्यय | 90 |
| सितम्बर 15 | तार | 20 |
| सितम्बर 18 | बस का किराया | 30 |

| | | |
|---|---|---|
| सितम्बर 19 | डाक–व्यय | 20 |
| सितम्बर 21 | फोटो–स्टेट व्यय | 30 |
| सितम्बर 23 | बस का किराया | 20 |
| सितम्बर 25 | एस.टी.डी. कॉल व्यय | 35 |
| सितम्बर 27 | टैक्सी का भाड़ा | 110 |
| सितम्बर 29 | भाड़ा | 35 |
| सितम्बर 30 | कम्प्यूटर स्टेशनरी | 120 |

सितम्बर 01, 2014 को खुदरा रोकड़िये ने मुख्य रोकड़िये से ₹ 1,200 प्राप्त किये।

## पाठगत प्रश्नों के उत्तर

**7.1** I. (i) रोकड़ (ii) रोजनामचा (iii) प्राप्तियाँ, भुगतान

(iv) नाम, जमा (v) शेष आ/ला

II.

| क्र. सं. | नाम पक्ष | जमा पक्ष |
|---|---|---|
| (i) | √ | |
| (ii) | | √ |
| (iii) | √ | |
| (iv) | | √ |
| (v) | | √ |
| (vi) | | √ |
| (vii) | | √ |
| (viii) | √ | |

**7.2** (i) बैंक/रोकड़ (ii) रोकड़, बैंक (iii) अधिविकर्ष

(iv) नाम, रोकड़ (v) प्रति प्रविष्टि (vi) बेचान

**7.3** (i) खुदरा रोकड़िया (ii) खुदरा रोकड़ बही

(iii) अग्रिम राशि (iv) पिछला माह

## पाठांत प्रश्नों के उत्तर

5. अंतिम हस्तस्थ रोकड़ ₹ 2,700
6. अंतिम हस्तस्थ रोकड़ ₹ 14,500
7. अंतिम हस्तस्थ रोकड़ ₹ 4,000, अंतिम बैंक शेष ₹ 29,200
8. अंतिम हस्तस्थ रोकड़ ₹ 3,060, अंतिम बैंक शेष ₹ 48,300
9. अंतिम हस्तस्थ रोकड़ ₹ 2,550, बैंक अधिविकर्ष ₹ 4,800
10. अंतिम रोकड़ शेष ₹ 480

## क्रियाकलाप

यदि आप अपने मित्रों से बात करें तो आपको कोई ऐसा मित्र मिल जायेगा जिसे अपने माता-पिता से नियमित रूप से जेब खर्च मिलता है तथा वह इसे समझदारी से व्यय करता है एवं इसका हिसाब रखता है। हो सकता है कि उसे अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी से भी पैसा मिलता हो। आपका दोस्त जिस डायरी अथवा नोट बुक में प्राप्ति एवं भुगतान का हिसाब रखता है उसे प्राप्त करें तथा उसमें दी गई सूचना के आधार पर रोकड़ बही बनाएँ।